DEMONSTRATION BY WOMEN DEMANDING STRENGTHENING OF THE PUBLIC DISTRIBUTION SYSTEM AND PROVISION OF 33 PER CENT RESERVATION TO WOMEN IN PARLIAMENT AND STATE LEGISLATIVE ASSEMBLIES

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : सभापति महोदय, माननीय प्रधानंमत्री जी यहां बैठे हुए हैं, मैं उनसे निवेदन करना चाहूंगी कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन हैं और इस ऐतिहासिक दिन के मौके पर संसद के बाहर हिंदुस्तान के कोन-कोने से आई हुई हजारों महिलाएं संघर्ष सभा के तहत एकत्रित हैं । ये महिलाएं सिर्फ अपनी मांग को लेकर एकजुट नहीं हुई हैं । इन महिलाओ की मांग हमारे हिंदुस्तान की करोडो-करोड़ो भूखी और गरीब जनता की मांग हैं । इंसान होने के नाते हर किसी को जीने का हक हैं और जीने के लिए जो मूलभूत जरूरत है, वह पेट भरने की जरूरत हैं । पेट का भरना जरूरी हैं । इसीजिए ये महिलाएं यह मांग करने आई हैं कि हमारे देश में आर्थिक उदारतावाद के तौर के बाद जिस तरह सार्वजनिक वितरण व्यवस्था को कमजोर किया गया, उसे लक्ष्य केन्द्रित बना दिया गया,उसे सुधारा जाए । आज हम बड़े गर्व के साथ कहते हैं कि हमारे गोदामों में 6 करोड़ टन अनाज भरा पड़ा हैं । अगर इन 6करोड़ टन अनाज के बोरो को एक पंक्ति में खड़ा कर दिया जाए तो इंसान चन्द्रमा पर जाकर वापस आ सकता है लेकिन धरती पर पड़े हुए इंसानों की हमें कोई खबर नहीं है । इसलिए संघर्ष सभा यह मांग कर रही है कि हर इंसान को जीने का हक हैं । इसलिए हमारा जो पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम हैं, जिसका सार्वजनीन रूप आपने हटा दिया है, उसका सार्वजनीन रूप बरकरार किया जाए और लक्ष्य केन्द्रित प्रणाली के तहत आपने प्रति व्यक्ति के बजाय प्रति परिवार राशन की व्यवस्था कर दी, उसको हटाया जाए । सस्ता राशन पाना हर व्यक्ति का मूलभूत अधिकार है । मुझे उम्मीद हैं कि इसकी आप गांरटी देंगे ।

सभापति महोदय, आज का दिन बड़ा ऐतिहासिक दिन है और मैं इसकी ऐतिहासिकता याद दिलाना चाहती हूं कि आज ही के दिन 10 वर्ष पहले हमारी सरकार ने 73 वें और 74 वे सविंधान संशोधन के जरिए बहुत बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाया था और स्थानीय निर्णायक निकायो में 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की थी लेकिन यह क्रांति, अधूरी क्रांति हैं । महोदय, प्रधानमंत्री जी यहां बैठे हुए है । हर सत्र में हमें यह आश्वासन दिया जाता है कि हम महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण विधानसभाओ और संसद में दे देगे । मैं प्रधानमंत्री जी से निवेदन करूंगी कि अब संसद का सत्र खत्म होने वाला है, आज के इस ऐतिहासिक दिन पर कम से कम वे यह बताएं कि इस मामले में क्या प्रगति हुई हैं, हम कहां खडें हैं ? कम से कम इस बार असत्य आश्वासन मत दीजिए ।

श्रीमती चन्द्रकला पांडे (पश्चिमी बंगाल) : महोदय, मैं अपने को इससे सम्बद्व करती हूं । मैं कहना चाहती हूं कि पूरे हाउस को इससे एसोसिएट करना चाहिए ।

SOME HON. MEMBERS : Sir, the whole House associates with the sentiments expressed by Shrimati Sarla Maheshwari.

(**उपसभापति महोदया पीठासीन हुई**)

श्री मती सरला माहेश्वरी : उपसभापति महोदया, मैं आपसे निवेदन करूंगी कि प्रधानमंत्री जी कुछ तो कहें। इतनी खामोशी ठीक नहीं हैं। प्रधानमंत्री जी, पूरा सदन आपसे जवाब मांग रहा है। यह खामोशी ठीक नहीं है। ...(**व्यवधान**)....

उपसभापति : देखिए, महिलाओं की बात पर प्रधानमंत्री जी खड़े हुए हैं, चेयर पर भी महिला हैं।

प्रधानमंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : महिलाओं के लिए आरक्षण होना चाहिए इसमें दो मत नहीं है। आरक्षण किस पद्वति से हो और कितनी मात्रा में हो इसको लेकर विवाद जरूर है। आरक्षण के सिद्वांत से सब सहमत हैं। तो हमारी महिला सदस्या यह आरोप न लगाएं कि पुरूष उनकी ओर ध्यान नहीं देते हैं।...(**व्यवधान**)...

THE DEPUTY CHAIRMAN : Please, let him speak.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इस संबंध में राजनीतिक दलों से संसद के भीतर और बाहर भी बात हो रही हैं। हम तो चाहते हैं कि सदन जब स्थाई रूप से स्थगित हो उससे पहले कोई फैसला कर लिया जाए और इसके लिए हम प्रयत्नशील हैं और सफलता की आशा करते हैं। अगर सफलता प्राप्त नहीं हुई तो विफलता के कारण लेकन आपके सामने प्रस्तुत हो जाएंगे।

श्री मती सरकला माहेश्वरी : मैडम,...(**व्यवधान**)...

उपसभापति : डा.मनमोहन सिंह जी कुछ कहना चाहते हैं।

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): Madam, on this very important subject of Women's Reservation Bill, our party has, on numerous occasions, stated that we are fully in support of this Bill, and we urge upon the. Government to bring forward this Bill. We are committed to contribute our share to its passage.

उपसभापति : थैंक्यू प्रधानमंत्री जी जो आपने हाऊस में यह बात कही। अब यह कुछ हो जाए इस सेशन के स्थगित होने से पहले तो हम उम्मीद करेंगे कि हमारी आशाएं कहीं तो बढ़ी हैं। नेक्सट लोक सभा इलेक्शन से पहले तो हो जाना चाहिए।